पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आदरांजलि अर्पित की

लखनऊ 23 दिसम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज चौधरी चरण सिंह की 115वीं जयंती के अवसर पर विधान सभा स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी आदरांजलि दी। राज्यपाल ने चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा आयोजित 'किसान सम्मान दिवस' में भी सहभाग किया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, राज्यमंत्री श्री रणवेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कृषकजन भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों के सच्चे हितैषी थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के हित के लिए लड़ते रहे। उनका मानना था कि अन्नदाता की सेवा ईश्वर की सेवा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इस बात को चौधरी चरण सिंह के प्रति सच्ची आदरांजलि के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के किसानों की आय दोगुनी होगी और वह खुशहाल होगें तो देश भी खुशहाल होगा।

श्री नाईक ने कहा कि स्व0 चौधरी चरण सिंह से उनका पुराना परिचय था और उन्हें उनके साथ काम करने का भी सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हमेशा गरीबों और आम आदमी के हित के लिये काम करने का मार्ग दर्शन देते थे। चौधरी चरण सिंह देश के प्रधानमंत्री एवं दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। उस समय की राजनैतिक अस्थिरता के कारण वे कम समय के लिये प्रधानमंत्री रहे। उनका जीवन किसानों के लिए समर्पित था तथा उनका नाम सदैव आदर्श के रूप में सबके सामने रहेगा।

राज्यपाल ने कहा कि जैसे चौधरी चरण सिंह का किसानों में महत्व है उसी प्रकार बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का संविधान शिल्पी के रूप में महत्व है। उन्होंने इस बात पर अत्यन्त प्रसन्नता और संतोष व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश के दोनों सदनों में बाबा साहब का सही नाम लिखे जाने के लिए सर्वसम्मति से विधेयक पास हुआ। श्री नाईक ने बताया कि आम तौर से लोग डाॅ0 'भीम राव अम्बेडकर' लिखते हैं, जो शुद्ध नहीं है जबकि 'भारत का संविधान' की मूल प्रतिलिपि (हिन्दी संस्करण) के पृष्ठ 254 पर डाॅ0 आंबेडकर द्वारा हस्ताक्षर में अपना नाम डाॅ0 'भीमराव रामजी आंबेडकर' लिखा गया है वैसे ही अंग्रेजी में Dr. "Bhim Rao Ambedkar" लिखने के स्थान पर Dr. "Bhimrao Ambedkar" लिखना चाहिए। उन्होंने इसी दृष्टि से 'डाॅ0 भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा' का नाम 'डाॅ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा' करने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र भी प्रेषित किया था, जो अब विधेयक पारित होने से संशोधित हो गया है।

कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने राज्य सरकार द्वारा कृषि एवं कृषकों के लिए चलायी जा रही योजनाओं और उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों को सम्मानित भी किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (479/38)

चौधरी चरण सिंह
माननीय श्री मुलायम सिंह यादव
माननीय श्री हरीकिरन श्रीवास्तव
माननीय श्री अजीत सिंह